एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र में दूषित पानी पीने को मजबूर श्रमिक परिवार

मटमैला पानी, बीमारियों का बढ़ा खतरा

कोतमा,नवभारत 2 अगस्त। गोविंदा एवं लहसुई कैंप में लंबे समय से आ रहा मटमैला पानी, बीमारियों का बढ़ा खतरा मौखिक शिकायतों के बाद भी प्रबंधन बेखबर, महाप्रबंधक को जानकारी होने के बावजूद नहीं हुई टंकी की सफाई प्रबंधन की लापरवाही से श्रमिक कॉलोनियों में पेयजल संकट एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र अंतर्गत श्रमिक कालोनी गोविंदा एवं लहसुई कैंप में रहने वाले सैकड़ों श्रमिक परिवार इन दिनों गंभीर पेयजल समस्या से जूझ रहे हैं। कॉलोनियों में नलों से मिलने वाला पीने का पानी इस कदर गंदा और मटमैला है कि यह इस्तेमाल करने लायक भी नहीं बचा है। गंदे पानी की सप्लाई से क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों और महामारी फैलने की आशंका लगातार बढ़ती जा रही है।

श्रमिकों ने दिखाया नलों से आ रहा मटमैला पानी

स्थानीय श्रमिक परिवारों ने पानी की बदतर स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि वे लंबे समय से दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। नलों में आ रहे पानी में भारी मात्रा में मिट्टी और गाद घुली हुई है। रहवासियों ने बताया कि इस संबंध में स्थानीय प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों से कई बार मौखिक शिकायतें की गईं, लेकिन इसके बावजूद आज तक समस्या का कोई समाधान नहीं निकाला गया।

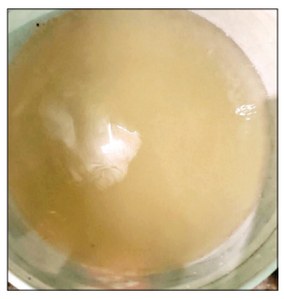

फिल्टर हाउस की सफाई न होना बना मुख्य कारण

जब पानी की इस गंभीर स्थिति का कारण जानने के लिए गोविंदा स्थित फिल्टर हाउस का जायजा लिया गया, तो प्रबंधन की भारी लापरवाही उजागर हुई।

टंकी की सफाई न होना: फिल्टर हाउस में पानी की टंकी की लंबे समय से सफाई ही नहीं कराई गई है। गाद जमने से चक्रा ठप: मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि फिल्टर प्लांट के अंदर अत्यधिक गाद (कीचड़) जमा हो जाने के कारण बड़ा चक्रा (एजिगेटर/मैकेनिज्म) घूम नहीं पा रहा है, जिससे पानी पूरी तरह फिल्टर नहीं हो पा रहा।

अधिकारियों की चुप्पी

फिल्टर हाउस के कर्मचारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि इस पूरी समस्या और टंकी की दुर्दशा के विषय में महाप्रबंधक (त्नरू) को पहले ही जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन अब तक सफाई या मरम्मत के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

जल ही जीवन, फिर भी बेपरवाह प्रबंधन

एक तरफ जहां एसईसीएल प्रबंधन श्रमिकों के कल्याण और बेहतर सुविधाएं देने के बड़े-बड़े दावे करता है, वहीं दूसरी ओर मूलभूत आवश्यकता 'साफ पेयजल' के लिए भी श्रमिक तरस रहे हैं। स्थानीय रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही फिल्टर हाउस की टंकी की सफाई कराकर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति बहाल नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

छात्राओं को साइकिल और महिलाओं को रोजगार का संबल

राजनगर,नवभारत 2 अगस्त। हसदेव क्षेत्र में जागृति महिला समिति ने सामाजिक सरोकारों की नई मिसाल पेश करते हुए खेलग्राम परिसर, राजनगर में एक भव्य सामाजिक कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई जनहितकारी योजनाओं की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रद्धा महिला मंडल एसईसीएल बिलासपुर की अध्यक्षा शशि दुहन तथा उपाध्यक्ष अनिथा फ्रैंकलिन, इप्सिता दास, हसीना कुमार और शुभश्री महापात्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का आयोजन जागृति महिला समिति हसदेव क्षेत्र की अध्यक्षा डॉ. सरोज बाला बिश्नोई के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण एवं स्थानीय क्षेत्र की युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त नि:शुल्क ब्यूटीशियन प्रशिक्षण केंद्र एवं ब्यूटी पार्लर का उद्घाटन किया गया।

अमरकंटक के साल वनों पर बोरर कीट का हमला, 60 हजार पेड़ संक्रमित

9 हजार 535 पेड़ों के कटाई की मांगी गई अनुमति

अनूपपुर,नवभारत 2 अगस्त। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के अमरकंटक वन परिक्षेत्र में साल बोरर कीट के बढ़ते प्रकोप ने वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है। वन विभाग के सर्वेक्षण में करीब 60 हजार साल वृक्ष इस संक्रमण से प्रभावित पाए गए हैं। संक्रमण को अन्य स्वस्थ वृक्षों तक फैलने से रोकने के लिए विभाग ने 9 हजार 535 अत्यधिक संक्रमित साल वृक्षों की कटाई की अनुमति भारत सरकार से मांगी है। अमरकंटक वन परिक्षेत्र लगभग 8,584 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है, जहां करीब 40 लाख साल के वृक्ष मौजूद हैं। वन विभाग के अनुसार, संक्रमित पेड़ों को उनकी स्थिति के आधार पर टी-1 से टी-6 श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। इनमें से 9 हजार 535 पेड़ गंभीर रूप से संक्रमित हैं, जबकि शेष पेड़ों में संक्रमण प्रारंभिक अवस्था में है, जिसे समय रहते नियंत्रित किया जा सकता है।

वनमंडलाधिकारी डेविड व्यंकटराव चनाप ने बताया कि साल बोरर कीट का जीवनकाल लगभग डेढ़ वर्ष होता है। यदि अंडे देने से पहले वयस्क कीटों को पकड़ लिया जाए तो संक्रमण की श्रृंखला को काफी हद तक रोका जा सकता है। इसी उद्देश्य से वन विभाग ने 16 वन समितियों को विशेष अभियान में लगाया है। अभियान के दौरान अब तक 24 हजार से अधिक साल बोरर कीट पकड़े जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि विभाग वरिष्ठ अधिकारियों और वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में अंडों से निकलने वाले लार्वा और पीपा अवस्था को नियंत्रित करने के लिए आगे की रणनीति तैयार कर रहा है।

संक्रमित कीटों को पकड़ने, ट्रिप ट्री पद्धति अपनायें

साल बोरर कीट के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, देहरादून की विशेषज्ञ टीम अमरकंटक पहुंचकर प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर चुकी है। वहीं, बारिश के बाद स्टेट फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट जबलपुर की टीम भी क्षेत्र का दौरा कर वैज्ञानिक उपायों का अध्ययन करेगी। फिलहाल वन विभाग संक्रमित कीटों को पकड़ने, ट्रिप ट्री पद्धति अपनाने तथा अत्यधिक संक्रमित पेड़ों की कटाई की अनुमति मिलने के बाद आवश्यक कार्रवाई पर जोर दे रहा है, ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके और अमरकंटक के बहुमूल्य साल वनों का संरक्षण किया जा सके।

प्रशासन और जनता के बीच की कड़ी है पत्रकार

अनूपपुर,नवभारत 2 अगस्त। जिले के प्रशासनिक नेतृत्व में बदलाव के बीच शनिवार 1 अगस्तक को राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद द्वारा आयोजित विदाई एवं स्वागत समारोह प्रशासन, पत्रकारिता और जनसरोकारों के समन्वय का प्रभावशाली मंच बन गया। होटल सूर्या के सभागार में आयोजित समारोह में स्थानांतरित कलेक्टर हर्षल पंचोली को भावभीनी विदाई दी गई, जबकि नवागत कलेक्टर रत्नाकर झा का गर्मजोशी और आत्मीयता के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब सहित परिषद के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ

सेवानिवृत्त शिक्षक बाबूलाल पाठक के स्वस्तिवाचन एवं संकल्प पैरामेडिकल कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। वहीं पत्रकार महेश मिश्रा के द्वारा स्वपरचित स्वा्गत एवं विदाई गीत प्रस्तुमति की गई।

प्रशासन और मीडिया एक-दूसरे के पूरक : झा

नवागत कलेक्टर रत्नाकर झा ने अपने प्रथम सार्वजनिक संबोधन में कहा कि किसी भी जिले के समग्र विकास में प्रशासन और मीडिया की भूमिका एक-दूसरे की पूरक होती है। पत्रकार समाज की आवाज को शासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं और प्रशासन को वास्तविक परिस्थितियों से अवगत कराते हैं। श्री पंचोली ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जिम्मेदार और सकारात्मक पत्रकारिता न केवल समाज में जागरूकता बढ़ाती है, बल्कि प्रशासन को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देती है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने कहा कि हर्षल पंचोली की कार्यशैली सदैव संवेदनशील, पारदर्शी और जनकेंद्रित रही। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के जिला अध्यक्ष अमित शुक्लाह ने कहा कि प्रशासन और पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है।

सेवावृत्ति पर अशोक कुमार को भावभीनी विदाई

अनूपपुर,नवभारत 2 अगस्त। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के वृत्त कार्यालय अनूपपुर में कार्यरत अनुभाग अधिकारी अशोक कुमार श्रीवास्तव के 38 वर्ष 4 माह 17 दिन के गौरवपूर्ण सेवाकाल पूर्ण होने पर शुक्रवार को कार्यालय परिसर में गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों, शुभचिंतकों एवं परिजनों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुखद सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं दीं। समारोह में कार्यपालन अभियंता राहुल श्रीवास्तव, सहायक अभियंता शुभम डावर एवं सागर गुप्ता, प्रोग्रामर जाकिर हुसैन, कनिष्ठ अभियंता मनीष जोशी, सुनील पटेल, कामता पटेल सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

एक नजर में

चाकू चमकाते युवक गिरफ्तार

अनूपपुर,नवभारत 2 अगस्त। जिले में अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत चौकी सरई पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध धारदार चाकू के साथ पकड़कर उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। चौकी प्रभारी के नेतृत्व में क्षेत्र में अवैध हथियारों की धरपकड़ एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 1 अगस्त को पुलिस टीम कस्बा भ्रमण पर थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध धारदार चाकू लेकर लोगों को डरा-धमका रहा है तथा किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम संतोष सिंह गोंड पिता रायसेन सिंह गोंड उम्र 40 वर्ष निवासी छोटी तुम्मी थाना पाली जिला उमरिया बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक लोहे का धारदार चाकू बरामद हुआ। आरोपी हथियार रखने संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने चाकू जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

3 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

अनूपपुर,नवभारत 2 अगस्त। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन में थाना प्रभारी भालूमाड़ा राधिका भगत के नेतृत्व में भालूमाड़ा पुलिस द्वारा विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान न्यायालय कोतमा द्वारा जारी तीन स्थायी गिरफ्तारी वारंटों का सफलतापूर्वक तामील किया गया। पुलिस ने प्रकरण क्रमांक 768/2024 धारा 294, 323 एवं 506 भारतीय न्याय संहिता/दंड संहिता से संबंधित स्थायी वारंटी सत्यवती साहू उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम सकोला थाना भालूमाड़ा को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार प्रकरण क्रमांक 605/2020 धारा 457, 294, 323, 506 एवं 34 से संबंधित स्थायी वारंटी कमलेश उर्फ छोटी उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम खोडरी थाना रामनगर तथा आरसीटी क्रमांक 566/2020 धारा 294, 323 एवं 506 से संबंधित स्थायी वारंटी लालमन कोल उर्फ जरहा उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम कुशला बहरा थाना भालूमाड़ा को भी गिरफ्तार किया गया।

प्राथमिक शालाओं से रूबरू हुए आंगनबाड़ी के नन्हे

अनूपपुर,नवभारत 2 अगस्त। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत जिले में आंगनबाड़ी बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जनपद पुष्पराजगढ़ के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों का संबंधित प्राथमिक शालाओं में एक्सपोजर विजिट आयोजित किया गया, जहां बच्चों ने विद्यालयीन वातावरण को करीब से देखा और विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कलेक्टर रत्नाकर झा के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग संजीता भगत के मार्गदर्शन में आयोजित इस पहल का उद्देश्य 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को स्कूल के वातावरण से परिचित कराना, उनमें प्रारंभिक शिक्षा के प्रति रुचि विकसित करना तथा विद्यालय में प्रवेश से पूर्व आत्मविश्वास बढ़ाना है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं पांचवीं राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की एक्शन टेकन रिपोर्ट के अनुरूप संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत वर्ष में दो बार आंगनबाड़ी बच्चों को प्राथमिक विद्यालयों का भ्रमण कराया जाता है।

इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र जमुनिहा, दमेहड़ी, पिपरिया एवं सैतिनचुआ के बच्चों ने संबंधित प्राथमिक शालाओं का भ्रमण किया। पर्यवेक्षक ने बच्चों को विद्यालय परिसर, कक्षाओं और शैक्षणिक संसाधनों से परिचित कराया तथा प्रारंभिक शिक्षा के महत्व की जानकारी दी।

38 दिन बाद छत्तीसगढ़ लौटे तीन हाथी, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

पांच हाथियों के दल में से एक का रेस्क्यू, दो पहले ही लौट चुके थे

अनूपपुर,नवभारत 2 अगस्त। लगभग 38 दिनों तक अनूपपुर जिले के जैतहरी और अनूपपुर क्षेत्र में लगातार विचरण करने के बाद तीन हाथियों का दल रविवार तड़के छत्तीसगढ़ की सीमा पार कर मरवाही वन क्षेत्र के मालाडांड जंगल पहुंच गया। हाथियों के लौटने से क्षेत्र के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, क्योंकि पिछले डेढ़ महीने से हाथियों की मौजूदगी के कारण जनजीवन प्रभावित था। वन विभाग के अनुसार पांच हाथियों के समूह में से एक आक्रामक हाथी का पहले ही शहडोल जिले के

केशवाही वन परिक्षेत्र के रामपुर बीट से रेस्क्यू कर उसे बांधवगढ़ के जंगल में छोड़ा जा चुका है। वहीं एक अन्य बड़ा हाथी कुछ दिन पहले ही छत्तीसगढ़ लौट गया था। शेष तीन हाथी लगातार जैतहरी और अनूपपुर क्षेत्र में विचरण कर रहे थे।

शनिवार को तीनों हाथी जैतहरी वन परिक्षेत्र की चोलना बीट स्थित सागौन प्लांटेशन में दिनभर रुके रहे। देर रात ग्राम पंचायत कुकुरगोंड़ा क्षेत्र से होते हुए चोलना के गुजरटोला स्थित गुजर नाला पार कर रविवार सुबह करीब चार बजे छत्तीसगढ़ के मरवाही वन परिक्षेत्र की सिवनी बीट अंतर्गत मालाडांड गांव के समीप बांस प्लांटेशन के कक्ष क्रमांक 2085 में पहुंचकर विश्राम करने लगे। 38 दिनों के दौरान हाथियों ने कई गांवों में घरों में घुसकर तोड़फोड़ की। घरों में रखा महुआ, अनाज और अन्य खाद्य सामग्री खाने के साथ कुछ स्थानों पर शराब भी पी। इसके अलावा खेतों और बाड़ियों में लगी धान, मक्का तथा अन्य फसलों को भी नुकसान पहुंचाया।

इस दौरान हाथियों के हमले और भगदड़ की घटनाओं में दो लोग घायल हुए। ग्रामीणों द्वारा हाथियों को गांवों से बाहर निकालने के प्रयास किए गए, लेकिन कई बार हाथियों ने ग्रामीणों और वन विभाग की गश्ती टीम को भी दौड़ा लिया। दिन में जंगल और झाड़ियों में रुकने के बाद हाथी रात के समय भोजन की तलाश में आबादी वाले क्षेत्रों की ओर निकल आते थे।

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर सजी साहित्यिक महफिल, कवियों ने बांधा समां

भालूमाड़ा में प्रगतिशील लेखक संघ का आयोजन

जमुना कोतमा,नवभारत 2 अगस्त। भालूमाड़ा हिंदी साहित्य के महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर कोयलांचल नगरी भालूमाड़ा में प्रगतिशील लेखक संघ के तत्वावधान में एक भव्य साहित्यिक आयोजन संपन्न हुआ। साहित्य प्रेमी मोहम्मद यासीन खान के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में साहित्यकारों, कवियों, पत्रकारों और साहित्य प्रेमियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। आयोजन दो सत्रों में संपन्न हुआ, जिसमें पहले सत्र में मुंशी प्रेमचंद के साहित्य और उनके सामाजिक

सरोकारों पर व्याख्यान हुआ, जबकि दूसरे सत्र में कवि सम्मेलन ने देर तक श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किए रखा।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र की अध्यक्षता रामनारायण पांडेय ने की। इस दौरान विजेंद्र सोनी सहित अन्य वक्ताओं ने मुंशी प्रेमचंद के साहित्य, सामाजिक चेतना, समानता, मानवता और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता पर विस्तार से विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य आज भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहा है और उनकी रचनाएं सामाजिक बदलाव की प्रेरणा देती हैं। उपस्थित श्रोताओं ने विचारों की सराहना करते हुए साहित्य और समाज के संबंधों पर सार्थक चर्चा की। द्वितीय सत्र में आयोजित कवि सम्मेलन की अध्यक्षता राजेंद्र सिंह ने की। सम्मेलन में हास्य, व्यंग्य, ओज, गीत और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रचनाओं का प्रभावशाली पाठ हुआ। कवियों ने अपनी प्रस्तुति से ऐसा समां बांधा कि श्रोता देर तक तालियां बजाते रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ हास्य कवि एवं कोलरी सेवा से सेवानिवृत्त मोहम्मद सफी का शाल एवं सम्मान प्रतीक भेंट कर सम्मानित किया गया।कवि सम्मेलन में मकबूल अहमद दर्द, विजेंद्र सोनी, कैलाश पाटकर, रामनारायण पांडेय, बालगंगाधर सेंगर, डॉ. असीम मुखर्जी, अमित पोखरियाल, सफी अहमद, दादूवाल, अमरेंद्र सिंह परिहार, अविनाश अग्रवाल, धीरेन्द्र नाहर और सुश्री सुष्मा कैथल सहित अनेक कवियों ने अपनी प्रभावशाली रचनाओं का पाठ किया।

तीन वर्षों से जारी रेडियम बेल्ट अभियान

अनूपपुर,नवभारत 2 अगस्त। सड़क दुर्घटनाओं में निराश्रित गौवंशों एवं मानव जीवन की सुरक्षा के उद्देश्य से शिव मारुति युवा संगठन द्वारा चलाया जा रहा रेडियम बेल्ट अभियान लगातार तीसरे वर्ष भी पूरे उत्साह के साथ जारी है। संगठन ने 23 जुलाई से इस वर्ष के अभियान की शुरुआत की, जिसके तहत अब तक 250 से अधिक निराश्रित गौवंशों के गले में रेडियम रिफ्लेक्टिव बेल्ट बांधी जा चुकी हैं। संगठन के सदस्य प्रतिदिन अनूपपुर शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर सड़कों पर विचरण करने वाले निराश्रित गौवंशों के गले में रेडियम बेल्ट बांध रहे हैं।

मरीज से 800 रूपये वसूलने वाले आउटसोर्स चालक की सेवा समाप्त

स्टाफ नर्स को नोटिस, सर्पदंश पीड़ित युवक की इलाज के दौरान मौत के बाद कार्रवाई

अनूपपुर,नवभारत 2 अगस्त। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परासी में सर्पदंश से पीड़ित युवक को जिला अस्पताल भेजने के लिए जननी एक्सप्रेस वाहन उपलब्ध कराने के नाम पर 800 रुपये लेने का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की है।

अनूपपुर के बीएमओ डॉ. धनीराम सिंह श्याम ने मामले को गंभीर मानते हुए जननी एक्सप्रेस के आउटसोर्स चालक की सेवा समाप्त कर दी है, जबकि संबंधित स्टाफ नर्स को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार भालूमाड़ा थाना क्षेत्र के जमुना कॉलरी वार्ड क्रमांक-7 निवासी 25 वर्षीय अमन सिंह पुत्र राजेंद्र सिंह को सर्पदंश के बाद उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परासी लाया गया था। परिजनों का आरोप है कि युवक ने सुबह सांप काटने और सीने में दर्द की शिकायत की थी। अस्पताल में स्टाफ नर्स ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन करीब दो घंटे बाद भी हालत में सुधार नहीं होने पर उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। परिजनों का आरोप है कि जिला अस्पताल ले जाने के लिए जब वाहन की मांग की गई तो स्टाफ नर्स ने सरकारी एंबुलेंस उपलब्ध होने में देरी की बात कहते

हुए निजी वाहन से जाने की सलाह दी। इसके बाद अस्पताल परिसर में मौजूद जननी एक्सप्रेस वाहन से मरीज को भेजने के लिए 800 रुपये लिए गए। बाद में परिजनों को जानकारी मिली कि जिस वाहन को निजी बताकर भेजा गया, वह विधायक मद से संचालित जननी एक्सप्रेस थी, जिसे एक आउटसोर्स चालक चला रहा था। मृतक के परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल में लंबे समय तक डॉक्टर नहीं पहुंचे और एंबुलेंस चालक ने वाहन धीमी गति से चलाया, जिससे मरीज को समय पर उपचार नहीं मिल सका।

मामले में बीएमओ डॉ. धनीराम सिंह श्याम ने कहा कि गंभीर मरीज की स्थिति में अस्पताल स्टाफ का दायित्व था कि तत्काल सरकारी वाहन की व्यवस्था कर उसे जिला अस्पताल भेजा जाता। यदि 108 एंबुलेंस उपलब्ध नहीं थी या खराब थी, तो अस्पताल परिसर में मौजूद विधायक मद की जननी एक्सप्रेस में ईंधन की व्यवस्था कर निशुल्क मरीज को भेजा जाना चाहिए था। किसी भी परिस्थिति में मरीज के परिजनों से पैसे लेना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

श्रावण विशेष शिव-नर्मदा आराधना का बन रहा दिव्य संगम

अमरकंटक में 11 रुद्र महादेव में उमड़ रही श्रद्धा

अनूपपुर,नवभारत 2 अगस्त। श्रावण मास में मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले स्थित पवित्र तीर्थ अमरकंटक शिवमय वातावरण से सराबोर है। विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के मध्य स्थित मां नर्मदा उद्गम मंदिर परिसर में स्थापित 11 रुद्र महादेव के दर्शन एवं पूजन के लिए प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

श्रद्धालु मां नर्मदा उद्गम का पवित्र जल अर्पित कर रुद्राभिषेक कर रहे हैं और ? नम: शिवाय तथा हर-हर महादेव, नर्मदे हर के जयघोष से पूरा परिसर भक्तिमय बना हुआ है। स्थानीय जानकार

धनंजय तिवारी के अनुसार स्कंद पुराण के रेवा खंड में अमरकंटक को देवताओं, ऋषियों और तपस्वियों की पुण्यभूमि बताया गया है। वहीं नर्मदा पुराण में मां नर्मदा को भगवान शिव की कृपा से प्रकट, पापों का नाश करने वाली तथा मोक्ष प्रदान करने वाली पुण्यसलिला के रूप में महिमामंडित किया गया है। सनातन परंपरा में भगवान शिव के एकादश रुद्र सृष्टि की रक्षा, धर्म की स्थापना और लोककल्याण के प्रतीक माने जाते हैं। इसी आध्यात्मिक मान्यता के अनुरूप श्रद्धालु उद्गम मंदिर परिसर स्थित 11 रुद्र महादेव का जलाभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना करते हैं।

श्रावण मास का पहला सोमवार आज

श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार, प्रदोष और अन्य विशेष अवसरों पर मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, रुद्रपाठ, शिव महिम्न स्तोत्र, घंटा-घड़ियाल और शंखध्वनि से वातावरण गुंजायमान रहता है। श्रद्धालु भगवान शिव और मां नर्मदा की संयुक्त आराधना कर आध्यात्मिक शांति, आरोग्य और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। धर्माचार्यों का कहना है कि श्रावण मास में मां नर्मदा उद्गम पर स्नान, 11 रुद्र महादेव का अभिषेक तथा शिव-नर्मदा की संयुक्त उपासना विशेष पुण्यदायी मानी जाती है। मान्यता है कि इससे आध्यात्मिक उन्नति, लोककल्याण और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। श्रावण मास के दौरान अमरकंटक का मां नर्मदा उद्गम मंदिर परिसर देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आस्था, तप, भक्ति और सनातन संस्कृति का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।